होली विशेषांक

प्रतिबिम्ब

A Monthly E-Newsletter of Rana Pratap PG College Sultanpur

वर्ष . 01 अंक . 04 फरवरी – मार्च (संयुक्तांक)

RANA PRATAP POST GRADUATE COLLEGE SULTANPUR
CIVIL LINES-1, SULTANPUR-228001 (U.P.)
(Affiliated : Dr. Ram Manohar Lohiya Avadh University, Ayodhya)
www.rppgcollege.ac.in

संरक्षक

एडवोकेट संजय सिंह (अध्यक्ष) एडवोकेट बालचंद्र सिंह (प्रबंधक) प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी (प्राचार्य)

प्रधान सम्पादक

ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह 'रवि'

असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी

सह सम्पादक

डॉ महमूद आलम

विभागाध्यक्ष उर्दू

डॉमंजू ठाकुर.

असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रभारी कम्प्यूटर सेंटर

प्रतिनिधि

डॉ संतोष कुमार सिंह(अंश)

शिक्षा संकाय

चौरसिया गोरखनाथ

विज्ञान संकाय

डॉज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह.

कला संकाय

यशस्वी प्रताप सिंह

वाणिज्य संकाय

विद्यार्थी प्रतिनिधि

शिक्षा संकाय
सत्येन्द्र शुक्ल
(बीएड द्वितीय वर्ष)
अंशिका सिंह
(बीएड प्रथम वर्ष)
कला संकाय
रिया श्रीवास्तव
(बीए पंचम सेमेस्टर)
प्रतिमा मिश्र
(बीए प्रथम सेमेस्टर)

विज्ञान संकाय
अनुराग यादव
(बीएससी पंचम सेमेस्टर)
अनुपमा वर्मा
(बीएससी पंचम सेमेस्टर)
लक्ष्मी सिंह
(बीएससी प्रथम सेमेस्टर)
वाणिज्य संकाय
आयुष मिश्रा
(बीकाम तृतीय सेमेस्टर(

रचनायें / विचार/ समाचार / फोटो आदि भेजने का पता -

rppgcollegenewsletter@gmail.com

- लिखित सामग्री यूनीकोड या मंगल फांट में ही टाइप कर के भेजें।लिखित सामग्री फोटो, जेपीजी, पीडीएफ आदि में स्वीकार नहीं की जायेगी।
- News Letter के सम्बन्ध में किसी भी जानकारी / समस्या / सुझाव आदि के लिए अपने संकाय प्रतिनिधि से सम्पर्क कर सकते हैं।

सम्पादकीय

प्रधान सम्पादक

इस समय बसंत की दहलीज पर खड़ा फागुन जड़ चेतन सभी के मन को मथता हुआ अपना प्रभाव दिखा रहा है। यही वह समय है जब ऋतुराज को चारों ओर सौंदर्य की छटा बिखेरता देख मन्मथ धीरे से अपना बाण चला देता है। विद्यार्थी और शिक्षक दोनों के लिए ही यह समय सतर्कता का होता है। जो चैतन्य रहा वह सफलता के रास्ते पर और जिसने ढिलाई बरती वह आलस्य की गिरफ्त में चला जाता है। यह मदमस्त फागुन अपने रंग में रंगता हुआ हम सभी को बहुत कुछ सिखाता है। इस समय हम रंगों का त्यौहार मनाते हैं । त्यौहार देश प्रदेश की विविधता दर्शाते हैं। इनके मनाने के तरीके या भावाभिव्यक्ति में भिन्नता भले ही हो लेकिन इनमें निहित मूल्यों और संदेशों की मौलिकता से कहीं भी समझौता नहीं होना चाहिए ।

होली सिर्फ रंगों का त्यौहार नहीं बल्कि जीवन का उत्सव है। राग-द्वेष का क्षय कर प्रीति के इन्द्रधनुषी रंग बिखेरने वाला यह त्यौहार कितनी ही लोककथाओं और किंवदंतियों में गुंथा हुआ है। आधुनिकता और संचार क्रांति के युग में उपकरणों के बढ़ते उपयोग ने होली को खुले मैदान, गली-मोहल्लों से हटाकर मोबाइल और टीवी के स्क्रीन पर लाकर रख दिया है। इसके फीके होते रंगों में रौनक लौटाकर जन-मन में आस्था और विश्वास जगाने की आज बेहद जरूरत है।

इस बार जब होली में रंग गुलाल उड़े तो यह ध्यान रहे कि देश की समरसता, एकता व सौहार्द को मजबूत करने की कड़ी में हम भी सहभागी बन सकें। होलिका पर समाज में अलगाव और आतंक फैलाने वाली बुराइयों का दहन हो ऐसा वातावरण बनाने में हम सहयोगी हों।

जनवरी का पूरा और फरवरी का शुरुआती समय परीक्षाओं आदि की व्यस्तता में ही बीत गया । इसलिए यह अंक संयुक्तांक है।

आप सभी को प्रेम और भाईचारे के त्यौहार होली की हार्दिक शुभकामनाएं ...

आपका अपना - "ज्ञानेन्द्र"

आयुर्धनं शुभ्रयशोवितानं, निरामयं जीवनसंविधानम्।
समागतो होलिकोत्सवोऽयं, ददातु ते मांगलिकं विधानम्।।

News & Events

'सिक्किम के पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक होगी डॉ.एम.पी.सिंह की नवीन कृति' - राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य

क्षत्रिय भवन सभागार में लोकार्पण समारोह व कृति चर्चा का आयोजन

'पुस्तकें हमें नयी राह दिखाती हैं । अपने भ्रमण को संस्मरण के रूप में प्रस्तुत कर डॉ.एम.पी.सिंह ने समाज की बेहतर सेवा की है। डॉ.एम.पी.सिंह की कृति 'हिमालय के आंगन से' सिक्किम के पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी। ' यह बातें सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहीं। वह 05 फरवरी को क्षत्रिय भवन सभागार में आयोजित राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ.एम.पी.सिंह की दो कृतियों के लोकार्पण व कृति चर्चा समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि कश्मीर की तिरंगा यात्रा में मैं डॉ.एम.पी.सिंह के साथ था। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों का भ्रमण कर उसके बारे में जो लिखा है उसे पढ़ कर देश विदेश के पर्यटक इन क्षेत्रों में भ्रमण के लिए काफी आकर्षित होंगे।' अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार डॉ आद्या प्रसाद सिंह प्रदीप ने कहा कि साहित्य समाज को रास्ता दिखाता है। डॉ.एम.पी.सिंह की कृतियां साहित्य जगत को अनमोल उपहार हैं। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राधेश्याम सिंह ने कहा कि बिरवा काव्य संग्रह पके हुए कवि की नवोदित कृति है। संवेदना,दर्शन और रमणीयता इन कविताओं के केंद्र में हैं। इस कृति में प्रकृति संरक्षण ,प्रेम ,आत्मा की यात्रा व पीढ़ियों का द्वंद आदि की कविता महत्वपूर्ण है । यह पहला संग्रह बताता है कि डॉ.एम.पी.सिंह प्रौढ़ सजग व संवेदनशील कवि हैं। कृतिकार डॉ.एम.पी.सिंह ने अपनी दोनों कृतियों की रचना प्रक्रिया को बताते हुये कहा कि 'हिमालय के आंगन' पुस्तक में कश्मीर, दार्जिलिंग और सिक्किम की यात्राओं पर संस्मरण लिखे गए हैं। 'बिरवा' पुस्तक में विभिन्न समयों पर उपजी बत्तीस कविताओं का संग्रह है। सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण से शुरू हुए समारोह में मंचस्थ अतिथियों ने डॉ एम पी सिंह की दो नवीन कृतियों का लोकार्पण किया। स्वागत भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ.आर .ए.वर्मा , आभार ज्ञापन क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट संजय सिंह व संचालन प्रोफेसर निशा सिंह ने किया।क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट संजय सिंह ने अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। साथ ही नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, एमजीएस इंटर कालेज के प्रबंधक डॉ. विनोद सिंह, प्रधानाचार्य महेश सिंह,भाजपा नेता राम चंद्र मिश्र आदि ने भी स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कृतिकार डॉ.एम पी सिंह ने सुलतानपुर जनपद की पहचान बाध से बने अनेक उत्पाद देकर अतिथियों को सम्मानित किया। समारोह में राणा प्रताप पीजी कालेज के प्रबंधक बालचंद्र सिंह एडवोकेट, प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी, डॉ.ओंकारनाथ द्विवेदी, डॉ.सुशील कुमार पाण्डेय साहित्येन्दु , डॉ.जे.पी.सिंह , डॉ.ए.के.सिंह, पूर्व मंत्री ओम प्रकाश पाण्डेय,शिव कुमार सिंह, जगजीत सिंह छंगू ,समेत अनेक महत्वपूर्ण व्यक्ति, शिक्षक, साहित्यकार, समाजसेवी आदि बुद्धिजीवी उपस्थित रहे।

News & Events

'कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाते हैं शिविर' – एडवोकेट संजय सिंह

पांच दिवसीय रोवर्स रेंजर शिविर सम्पन्न

महाविद्यालय में रोवर्स रेंजर का पांच दिवसीय प्रवेश शिविर 10 फरवरी से 14 फरवरी तक चला । जिसमें विद्यार्थियों को अनेक बातें सिखाई गईं। पहले दिन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने ध्वजारोहण व स्काउट गीत के साथ शिविर का उद्घाटन किया। बतौर मुख्य अतिथि अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि 'रोवर्स रेंजर्स शिविर देश व समाज सेवा की भावना का विकास करते हैं। रोवर्स रेंजर्स के प्रशिक्षित स्वयंसेवक मन, वचन एवं कर्म से राष्ट्रहित एवं सहायता की भावना से सदैव प्रेरित रहते है।' स्काउट जिला आयुक्त धर्मेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए रोवर्स रेंजर्स शिविर जरूरी है। रोवर्स रेंजर्स प्रभारी डॉ.प्रदीप कुमार सिंह व सह प्रभारी डॉ बीना सिंह ने परिचय ,स्वागत और आभार ज्ञापन किया। शिविर प्रशिक्षक महेंद्र कुमार वर्मा ने छात्रों को प्रार्थना , झंडा गीत, प्रतिज्ञा, नियम, उद्देश्य एवं झंडारोहण का प्रशिक्षण दिया।जिला आयुक्त गाइड ज्योति सिंह व कांति सिंह ने पहले दिन बीपी सिक्स, योगा और गांठ बांधने के बारे में जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि उप प्राचार्य प्रोफेसर निशा सिंह ने शिविरार्थियों को शुभाशीष दिया। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ प्रभात कुमार श्रीवास्तव ने किया। शिविर के दूसरे और तीसरे दिन रोवर्स रेंजर्स प्रशिक्षक महेंद्र वर्मा व कांति सिंह ने बेस्ट मैटेरियल से क्राफ्ट बनाना , मार्च पास्ट ,बांया हाथ मिलाना आदि सिखाया। इसके साथ ही स्काउट गाइड का इतिहास, सैल्यूट चिन्ह आदि के बारे में भी रोवर्स रेंजर्स को जानकारी दी गई। चौथे दिन रोवर्स रेंजर्स प्रशिक्षक महेंद्र वर्मा ,कांति सिंह , ज्योति सिंह,गौरव सिंह और धर्मेन्द्र प्रताप ने रोवर्स रेंजर्स को विभिन्न बातें सिखाईं। जिसमें प्रमुख रूप से गांठ बांधना , टेंट बनाना और उसकी सजावट करना , गैजेट्स बनाना,रंगोली बनाना, बिना बर्तन के भोजन बनाना , मैपिंग , वर्दी की जानकारी , सांस्कृतिक कार्यक्रम करना आदि सिखाया गया ।पांचवें दिन भव्य समापन समारोह आयोजित हुआ। समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट संजय सिंह ने कहा कि 'शिविर के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होता है। उसमें देश के लिए सेवाभाव भी जगता है। प्रत्येक रोवर्स रेंजर्स का दायित्व बनता है कि वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ करे।' विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के प्रबंधक एडवोकेट बालचंद्र सिंह ने कहा कि अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में रोवर्स रेंजर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर रोवर्स रेंजर्स ने पांच दिन में सीखी गई कलाओं का प्रदर्शन करते हुए पिरामिड बनाया । सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया।

News & Events

प्राणि विज्ञान विभाग ने आयोजित की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग ने 21 और 22 फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। मैट्रिक्स बायोलैब लखनऊ के सहयोग से 'पालीमरेज शृंखला अभिक्रिया एवं एगोरेज जेल विद्युत कण संचलन ' विषय पर आधारित इस कार्यशाला का उद्घाटन संत तुलसीदास पीजी कॉलेज कादीपुर के प्राचार्य प्रोफेसर राम नयन सिंह ने किया। उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य वक्ता बोलते हुए प्रोफेसर राम नयन सिंह ने कहा कि विज्ञान का ज्ञान प्रयोगात्मक ही होना चाहिए।

गनपत सहाय पीजी कालेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.सौरभ पाण्डेय ने कहा कि आने वाले समय में पीसीआर एवं एग्रो जेल इलेक्टोफारेसिस की उपयोगिता निरंतर बढ़ती जायेगी। संत तुलसीदास पीजी कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ कुमुद राय ने कहा कि बच्चों को प्रयोगात्मक कार्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए और खुद से करके सीखना चाहिए।

मैट्रिक्स बायोलैब लखनऊ के रिसर्च डायरेक्टर डॉ.आलोक सिंह ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों की ज्ञानवृद्धि होगी । अतिथियों का स्वागत प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी व आभार ज्ञापन आईक्यूएसी निदेशक डॉ इन्द्रमणि कुमार ने किया। कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने पहले सत्र में थारमोसैकलर मशीन के माध्यम से पीसीआर या डीएनए एम्प्लीफायर तकनीक को सीखा ।

दूसरे सत्र में जेल इलेक्ट्रोफारेसिस उपकरणों के प्रयोग से न्यूक्लिक एसिड (डीएनए) को उनके चार्ज और आकार के आधार पर अलग किया गया । प्राचार्य ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किये। संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ प्रीति प्रकाश ने किया।

कार्यक्रम संयोजक प्राणि विज्ञान विभागाध्यक्ष करुणवीर सिंह , विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ.शिशिर कुमार श्रीवास्तव, शिवानी पांडेय , डॉ.पुष्कर प्रताप तिवारी, अंकित मिश्र ,विपिन सिंह व अनिल वर्मा समेत विभिन्न स्थानों से आये शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

News & Events

अर्थशास्त्र विभाग ने किया पाठ्यचर्या परिचय का आयोजन

अर्थशास्त्र विभाग ने 27 फरवरी को पाठ्यचर्या परिचय सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें स्नातक छठवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उनके प्रश्नपत्रों से संबंधित जानकारी दी गई।विभागाध्यक्ष डॉ धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के नये निर्देशों के अनुसार अब बीए अंतिम वर्ष में केवल एक मेजर विषय में ही प्रोजेक्ट कार्य किया जाना है।असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.सुनील कुमार त्रिपाठी ने प्रोजेक्ट की प्रस्तावना निर्माण से जुड़े आवश्यक पहलुओं की जानकारी दी । इस अवसर पर अभिनव मिश्र, अपर्णा कसौधन व शुभी सिंह सहित अनेक विद्यार्थियों ने पाठ्यक्रम सम्बन्धी प्रश्न पूछे।

कर्तव्य बोध दिवस के रुप में मनाई गई विवेकानंद जयंती

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वामी विवेकानन्द जयंती कर्तव्य बोध दिवस दिवस के रुप में मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता बोलते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि कुमार ने कहा कि विवेकानंद समय और समाज के सापेक्ष धर्म की बात करते हैं। उन्होंने देश भ्रमण कर देश को समझा और दुनिया में वेदांत का परचम लहराया।तत्कालीन भारतीय समाज को एक नई दिशा देने में विवेकानंद का महत्वपूर्ण योगदान है। विशिष्ट वक्ता राजनीति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.आलोक पाण्डेय ने कहा कि विवेकानंद में सभी धर्मों के प्रति सम्मान का भाव था । उन्होंने अपने चिंतन में सामाजिक सहिष्णुता को आधार बनाया था । संगोष्ठी के अध्यक्ष पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर एम पी सिंह ने कहा कि विवेकानंद ने भारत की जाति व्यवस्था और स्त्री उपेक्षा को देश का दो महापाप माना था ।

आज आवश्यकता इस बात की है कि व्यक्ति से व्यक्ति के बीच की दूरी समाप्त हो। संचालन करते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की ।

आभार ज्ञापन करते हुए प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर निशा सिंह ने कहा कि विवेकानंद सांस्कृतिक पुनर्जागरण के जनक थे। उनका विचार आज भी प्रासंगिक है। इससे पूर्व मां सरस्वती,स्वामी विवेकानन्द व राणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दुनिया में बढ़ता जा रहा है हिन्दी का दबदबा – ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि

' अपने देश में भले ही हिंदी की उपेक्षा हो लेकिन विश्व में हिंदी का दबदबा बढ़ता जा रहा है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में जहां एक ओर भाषाएं दम तोड़ रही हैं वहीं हिन्दी भाषा अपनी स्वीकार्यता और प्रासंगिकता का लोहा मनवा रही है। दुनिया की सबसे नई भाषा होने के बाद भी हिंदी का विश्व में नम्बर दो की भाषा होना इसका प्रमाण है।

' यह बातें महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने कही। वह हिंदी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे। अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि कुमार ने बताया कि विश्व में हिन्दी का विकास करने और इसे प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी सम्मेलनों की शुरुआत की गई। प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन 10 जनवरी 1974 को नागपुर में आयोजित हुआ । इसकी स्मृति में वर्ष 2006 से 10 जनवरी को पूरी दुनिया में 'विश्व हिन्दी दिवस' मनाया जाता है। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विभा सिंह ने कहा कि आज हिंदी दुनिया की सबसे ताकतवर भाषाओं में शामिल है । संचालन करते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि दुनिया भर के तमाम देशों में बसे भारतीयों को एकसूत्र में बांधने में विश्व हिंदी दिवस महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर मुकेश कसौधन, मुस्कान,सीमा, आदि विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रंजना पटेल ने हिंदी दिवस और विश्व हिंदी दिवस के अंतर को स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

मनुष्य की प्रतिष्ठा को स्थापित करना तुलसीदास की कविता का लक्ष्य - प्रो.रामजी तिवारी'

राम चरित मानस विश्व काव्य है। तुलसीदास की यह कृति समाज के मंथन का नवनीत है । समाज की रचना और मनुष्य की प्रतिष्ठा को स्थापित करना तुलसीदास की कविता का लक्ष्य है ।

उनकी कविता मानवाधिकार,न्याय , समानता और जनतंत्र की स्थापना करती है।' यह बातें मुम्बई विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रामजी तिवारी ने कहीं। वह महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में 6 फरवरी को बाबू धनंजय सिंह स्मृति व्याख्यानमाला के अंतर्गत हिन्दी विभाग द्वारा 'तुलसीदास और उनकी कविता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तुलसीदास को पूर्णता में समझना हो तो उनकी सभी कृतियों को पढ़ना समझना होगा । तुलसीदास जैसे अवधी लिखते हैं वैसे ही ब्रज भी लिखते हैं। कृष्णगीतावली में उन्होंने कृष्ण का वर्णन वैसे ही किया है जैसे राम चरित मानस में राम का । तुलसीदास की व्यक्तिगत भक्ति का सबसे बड़ा नमूना और प्रमाण विनय पत्रिका है ।संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि, स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि कुमार व आभार ज्ञापन प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने किया।

स्वयं को अनुशासित रखना बेहतरीन कलाओं में से एक है - डॉ. हीरालाल यादव

महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग में 26 फरवरी को 'विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व एवं उपादेयता' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिवानी तिवारी, विकास कश्यप, तलत परवीन व गरिमा सिंह ने विद्यार्थी जीवन मे अनुशासन विषय पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। विभागाध्यक्ष डॉ. हीरालाल यादव ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए में कहा कि खुद को अनुशासित रखना संसार की बेहतरीन कलाओं में से एक है। अगर किसी विद्यार्थी को अनुशासन के बारे में सिखाया जाए तो उसे अपने जीवन की समस्याओं को हल करने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। संगोष्ठी में प्रीति, गीता, संध्या यादव, हिमांशी चौरसिया, सुमित कुमार, अंशिका यादव, सुहानी सिंह, सर्वेश कुमार,कशिश, खुशी सोनी, संजना, काजल यादव, विवेक कुमार निषाद, आरती, शिवानी तिवारी, गौरव यादव, पुनीता, शिफ्फ बानो, आदर्श आदि विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेमेस्टर परीक्षाएं सकुशल सम्पन्न

डॉ.राम मनोहर अवध विश्वविद्यालय अयोध्या की सेमेस्टर परीक्षाएं महाविद्यालय में सकुशल सम्पन्न हो गईं । परीक्षा नियंत्रक डॉ धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि बीए बीएससी बीकॉम के प्रथम तृतीय व पंचम सेमेस्टर तथा एम ए प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में परीक्षाएं दीं। लगभग डेढ़ माह तक चली इस परीक्षा में महाविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों का पूरा सहयोग रहा ।

पुस्तक हेतु पर्यावरण से सम्बन्धित शोध पत्र व लेख आमंत्रित

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने प्रकाशन के क्षेत्र में भी अपने कदम बढ़ा दिए हैं। इसके अंतर्गत महाविद्यालय 'पर्यावरण संरक्षण के बहुविषयक आयाम' (ISBN No.978-81-968050-6-7) नाम से पहली आनलाइन पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहा है । यह जानकारी देते हुए प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पुस्तक में प्रकाशन हेतु लेखक, शिक्षक, शोधार्थी अपने अपने विषयों में पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी विचारों/सिद्धान्तों/नवाचारों/उपागमों को समाहित करते हुए तैयार किए गए मौलिक शोध पत्र या अध्याय मार्च 2024 के अंत तक email id- rpdc@rediffmail.com पर प्रेषित कर सकते हैं । लेख का प्रकाशन निशुल्क है। लेख की शब्द सीमा 2000-3000 निर्धारित है । सभी सामग्री Kurti Dev 10 font size 12 में आनलाइन ही प्रेषित करना है।

Research

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर में शोध का हुआ प्रकाशन

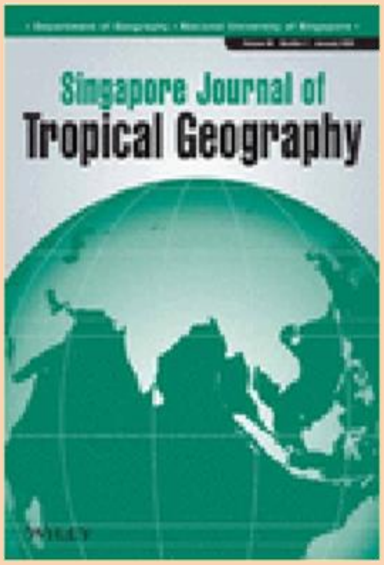

विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय की सूची में उच्च स्थान पर सम्मिलित नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर से प्रकाशित विश्व प्रसिद्ध रिसर्च जर्नल 'सिंगापुर जनरल ऑफ ट्रॉपिकल ज्योग्राफी' ने प्राचार्य प्रोफेसर डी.के.त्रिपाठी एवं उनके शोध सहयोगियों के द्वारा किए गए शोध 'Long term (1901-2021) trends and prediction of climatic variability in selected agro-ecological zones of Himachal Pradesh using coupled statistical and machine learning approaches' को अपने 2024 (Vol.1) अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया है। वर्ष 1953 से डिपार्टमेंट ऑफ़ जियोग्राफी, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर एवं जॉन विली एंड संस ऑस्ट्रेलिया, लिमिटेड द्वारा प्रकाशित सिंगापुर जनरल ऑफ ट्रॉपिकल ज्योग्राफी विश्व प्रसिद्ध डाटाबेस स्कोपस में सूचीबद्ध है तथा जर्नल इम्पैक्ट फैक्टर (क्लैरिवेट) 2.2 है । इस शोध कार्य में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकी क्षेत्रों में विगत 120 वर्षों (1901-2021) की जलवायुविक तत्वों की प्रवृत्तियों का सांख्यिकीय एवं मशीन लर्निंग विधियों से विश्लेषण करते हुए अग्रिम 2022 से 2050 तक के जलवायुविक दशाओं का अनुमान लगाया गया है। इस कार्य हेतु सतलज नदी बेसिन के ऊपरी, मध्य और निचले जलग्रहण क्षेत्र के जलवायुविक मापदंडों को आधार बनाते हुए प्रादेशिक प्रवृत्तियों का अध्ययन किया गया। अध्ययन क्षेत्र में सामान्यतः सभी ऋतुओं के तापमान में वृद्धि की प्रवृत्ति अंकित की गई है। यद्यपि मानसून समय में वर्षा और तापमान के ऋणात्मक अंतरसंबंध अर्थात तापमान बढ़ने के साथ-साथ वर्षा की मात्रा में गिरावट देखी गई है। अध्ययन क्षेत्र के सभी मौसम केंद्रो पर वर्षा के पूर्वानुमान के लिए आधुनिकतम आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क तकनीकी का प्रयोग करते हुए प्रदेश कि पर्यावरण , पारिस्थितिकी एवं वहां निवास करने वाली जनसंख्या के लिए चिंताजनक दशाओं का पता चला है । प्रदेश में 2050 तक औसत वार्षिक तापमान सभी क्षेत्रों में 1.13C से 0.7C तक की वृद्धि हो जाएगी तथा अधिकांश मौसम केंद्रो पर 2050 तक वर्षा की मात्रा में 10.31 प्रतिशत की गिरावट हो जाएगी जबकि पूर्व-मानसून वर्षा की घटनाओं में वृद्धि होगी। यह शोध कार्य राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं स्कूल आफ बेसिक साइंसेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ हरियाणा के संयुक्त प्रयास से पूर्ण किया गया है। महाविद्यालय के अध्यक्ष माननीय श्री संजय सिंह एवं माननीय प्रबंधक श्री बालचंद सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए इस विश्व स्तरीय शोध से जुड़ने के लिए प्राचार्य प्रोफेसर डी.के.त्रिपाठी को शुभकामनाएं दी है।

हिन्दी विभागाध्यक्ष का शोध लेख प्रकाशित

यूजीसी केयर लिस्ट में शामिल त्रैमासिक ई पत्रिका अपनी माटी के अंक - 49 (अक्टूबर- दिसम्बर 2023) में महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि कुमार का शोध लेख प्रकाशित हुआ है। ' निर्मल वर्मा के यात्रा संस्मरणों में समाज, राजनीति, साहित्य और संस्कृति के संदर्भ ' विषय पर आधारित इस शोध लेख में लेखक ने बताया है कि निर्मल वर्मा की इन रचनाओं को यात्रा संस्मरण मात्र कह देना इसकी संवेदना को सीमित कर देना है। इन्हें यात्रा की स्मृति के साथ-साथ एक गंभीर ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विमर्श की तरह पढ़ना अधिक मुनासिब है।

होली विशेषांक

होली हर्ष और उल्लास का पर्व है। इस दिन लोग भी गिले, शिकवे बुलाकर प्यार का रंग लगाते हैं। कवियों ने इस प्यार के त्यौहार पर अनेक सुंदर रचनाएं लिखी हैं उनमें से कुछ पंक्तियां प्रस्तुत हैं -

सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला"

केशर की, कलि की पिचकारी
पात-पात की गात सँवारी
राग-पराग-कपोल किए हैं
लाल-गुलाल अमोल लिए हैं
तरू-तरू के तन खोल दिए हैं
आरती जोत-उदोत उतारी
गन्ध-पवन की धूप धवारी

केदारनाथ अग्रवाल

फूलों ने होली फूलों से खेली
लाल गुलाबी पीत-परागी
रंगों की रँगरेली पेली

काम्य कपोली कुंज किलोली
अंगों की अठखेली ठेली

मत्त मतंगी मोद मृदंगी
प्राकृत कंठ कुलेली रेली

नज़ीर अकबराबादी

हाँ इधर को भी ऐ गुंचादहन पिचकारी
देखें कैसी है तेरी रंगबिरंग पिचकारी
तेरी पिचकारी की तक़दीद में ऐ गुल हर सुबह
साथ ले निकले है सूरज की किरण पिचकारी
जिस पे हो रंग फिशाँ उसको बना देती है
सर से ले पाँव तलक रश्के चमन पिचकारी
बात कुछ बस की नहीं वर्ना तेरे हाथों में
अभी आ बैठें यहीं बनकर हम तंग पिचकारी

हो न हो दिल ही किसी आशिके शैदा का 'नज़ीर'
पहुँचा है हाथ में उसके बनकर पिचकारी

हरिवंशराय बच्चन

तुम अपने रँग में रँग लो तो होली है।
देखी मैंने बहुत दिनों तक
दुनिया की रंगीनी,
किंतु रही कोरी की कोरी
मेरी चादर झीनी,
तन के तार छूए बहुतों ने
मन का तार न भीगा,
तुम अपने रँग में रँग लो तो होली है।

फणीश्वर नाथ रेणु

साजन! होली आई है!
सुख से हँसना
जी भर गाना
मस्ती से मन को बहलाना
पर्व हो गया आज-
साजन! होली आई है!
हँसाने हमको आई है!

साजन! होली आई है!
इसी बहाने
क्षण भर गा लें
दुखमय जीवन को बहला लें
ले मस्ती की आग-
साजन! होली आई है!
जलाने जग को आई है!

GLIMPSE OF COLLEGE